**राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त**

**अंक: 6 तेरहवीं विधान सभा के छठे सत्र का बत्तीसवां दिवस संख्या: 13**

**शुक्रवार,**
**18 मार्च, 2011**

**राजस्थान विधान सभा की बैठक 11:00 बजे**
**राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।**

**(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)**

श्री अध्यक्ष: श्री गोपाल मीणा।

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से सवाई माधोपुर में सी.आई. को जलाया गया है,... (व्यवधान) एक नौजवान को जलाया गया है... (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जिस तरह से नेता प्रतिपक्ष महोदय ने कल बयान दिया, यह मंत्रियों का सहारा लेकर उसको भड़काना चाहती हैं ... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: श्री गोपाल मीणा।

एक माननीय सदस्य: माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान) केवल माफी मंगवाई जाये अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, डेढ़ साल से इनका खुद का पता नहीं है कि ये कहां पर थे? जिस तरह से कल इस सदन के अन्दर... (व्यवधान) पूरा यह सदन जानता है... (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): इनसे माफी मंगवाई जाये। इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान) प्रतिपक्ष यह चाहता था... (व्यवधान)

**तारांकित प्रश्नोत्तर**

**जमवारामगढ़ विधान सभा क्षेत्र में निगम बस सेवा हेतु प्राप्त ज्ञापन/प्रस्ताव**

226. श्री गोपाल मीणा (जमवारामगढ़): क्या यातायात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र जमवारामगढ़ में सरकार को निगम की नवीन बसें संचालित करने हेतु कौन-कौनसे गांवों से प्रस्ताव/ज्ञापन प्राप्त हुए हैं तथा उन पर सरकार द्वारा क्या-क्या कार्यवाही की गई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

---

**कार्यवाही वृत्तान्त में प्रयुक्त संकेताक्षर**

**+++: शब्द/अभिव्यक्ति अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अपलोपित की गयी।**

**000: अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।**

(2) क्या यह सही है कि उक्त विधान सभा क्षेत्र में मांग के अनुसार निगम की बसें संचालित हो रही हैं? क्या सरकार उक्त क्षेत्र में मांग के अनुरूप निगम की नवीन बसें संचालित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): पहले इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिस तरह से इन्होंने ये पर्ची दी है, किसी मंत्री को दबाने की साजिश रची गई है... (व्यवधान)

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): पुलिस अधिकारी को जिस तरह से जलाया गया है... (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): +++ (व्यवधान) इनका खुद का पता नहीं है। डेढ़ साल से इनका पता नहीं है। ये मेरे को कह रही है कि मिलते रहते हैं। डेढ़ साल के बाद में मुलाकात नहीं हुई थी और आपने मेरी पत्नी के बारे में बोला। (व्यवधान) डेढ़ साल पहले मेरी इनसे मुलाकात सदन में हुई थी। (व्यवधान) आपकी और मेरी मुलाकात तो चर्चा का विषय है, कोई चिंता वाली बात नहीं है। पर जिस तरह की बात कही है... (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): पहले इनसे माफी मंगवाई जाये। पहले इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आपकी और मेरी मुलाकात की चर्चा है... (व्यवधान) लेकिन जिस +++ आए हो। जिस झूठ की बुनियाद पर मंत्रियों के बचाव में नेता प्रतिपक्ष आई हैं और वह कह रही हैं, (व्यवधान) माननीय सदस्यों को भड़काने की कोशिश कर रही है। (व्यवधान) मेरी पर्ची पर माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जो बयान दे रही हैं। मेरी पर्ची पर मंत्रियों पर आरोप लगा रही हों... (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): जिस तरह से पुलिस अधिकारियों को जलाकर मार दिया जाये... (व्यवधान) जिस तरह से निर्मम हत्या की है (व्यवधान) कानून-व्यवस्था का कोई लेना देना नहीं है। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ...इनको शर्म आनी चाहिए। इस सदन के अन्दर इस तरह का नेतृत्व आएगा अध्यक्ष महोदय, तो मैं समझता हूं, लोकतंत्र को ये किस रास्ते पर ले जाना चाहते हैं? (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): इनको माफी मांगनी चाहिए। (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): राजस्थान के अन्दर ...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इन्होंने नई प्रथा को शुरु किया है। इस अपमानजनक तरीके से इनके राष्ट्रीय नेतृत्व ने कहा है... (व्यवधान) डेढ़ साल से तो इनका ही पता नहीं है अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान) मैं कहां मिला इनसे। (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान) इनसे माफी मंगवाई जाये।

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): गृह मंत्रीजी इस्तीफा दें। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): बताओ तो सही इस सदन को। किस तरह का वातावरण बनाना चाहते हैं। आप मंत्रिमण्डल के सदस्यों को भड़काना चाहते हैं और मंत्रिमण्डल के लोगों के बचाव में यह करना चाहती हैं। (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सत्ता पक्ष को कह रही हैं कि वापस जाओ। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ये कुछ भी करना चाहती हैं, ये माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस तरह का आचरण नेता प्रतिपक्ष का रहा है, जिस तरह से अमर्यादित भाषा उन्होंने व्यक्त की है। अगर वह झूठ है तो माफी मांगे। (व्यवधान) मैं अपने बच्चों की कसम खा सकता हूं वरना इनके भी बच्चा है, ये कसम खा ले। ये मंदिर कि ऊपर चढ़ जाये... (व्यवधान) भगवान में अगर आस्था रखती हैं तो ये मंदिर पर चढ़कर शपथ खा ले, अपने बच्चे की शपथ खा ले नहीं तो मैं शपथ खाता हूं बच्चे की। जिस तरह से मंत्रियों को भड़काया जा रहा है... (व्यवधान) ये नेता प्रतिपक्ष का काम नहीं है। यह शर्मनाक काम है और ऐसे लोगों के हाथ में नेतृत्व रहेगा... (व्यवधान) ये कह रहे हैं कि मुझे ये बरबाद कर देंगे। (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): इनसे माफी मंगवाई जाये। पहले इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): पिछले चुनावों में भी आकर गया था। (व्यवधान) मैं फिर चुनौती देता हूं, जितनी बार चाहो, आ जाना। (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): अध्यक्ष महोदय, अधिकारी को जिंदा जला दिया जाता है। नौजवान आत्महत्या कर रहा है... (व्यवधान) और पुलिस के गृह मंत्रीजी को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। (व्यवधान) शर्म आनी चाहिए। (व्यवधान) भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सदन नहीं चलाना चाहते हैं... (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): लोकतंत्र को अपनी खुद की कठपुतली मत समझो। लोकतंत्र तुम्हारे हाथ की कठपुतली नहीं है। तुम्हारे हाथ में किसी की जीत-हार नहीं है। अगर यह शर्मनाक काम राजस्थान के इतिहास में काला अध्याय लिखा गया है। कोई इस तरह की बात करेंगे... (व्यवधान) तो यह माननीय अध्यक्ष, क्योंकि इनका इतिहास रहा है, इन्होंने अपने मंत्रियों के साथ किस तरह का बर्ताव किया है... (व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माफी मंगवाओ अध्यक्ष महोदय, माफी मंगवाओ अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय सदस्यों की अपनी कांस्टीट्यूएंसी के अन्दर इनकी सरकार के मंत्री रहते हुए इनके साथियों पर पथराव कराना पडा। (व्यवधान) कैलाश मेघवाल जी का बयान सामने है, कटारिया साहब का बयान सामने है। (व्यवधान) पूरी भारतीय जनता पार्टी के +++, सलाहकारों के भरोसे अगर आप आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करती हैं, +++ बोले जायेंगे इस राजनीति में इस पवित्र सदन की गरिमा को कलंकित किया जायेगा। (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): अध्यक्ष महोदय, रोज राजस्थान की पुलिस पिट रही है। इनकी कानून-व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो चुकी है। एस.एच.ओ. को जिंदा जला दिया गया है और गृह मंत्रीजी, किधर ध्यान दे रहे हैं...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह प्रृवत्ति चलने वाली नहीं है। (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): गृह मंत्रीजी, इस्तीफा दें। गृह मंत्रीजी को इस्तीफा देना चाहिए। (व्यवधान) नैतिकता के आधार पर, आप राजस्थान की कानून-व्यवस्था को नहीं संभाल सकते... (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): कसम खाओ, मंदिर पर चढ़ो... (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): माननीय रघु शर्मा से माफी मांगे। (व्यवधान) माननीय रघु शर्मा से माफी मांगे। माननीय मुख्य मंत्री से माफी मांगे। (व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): अध्यक्ष महोदय, इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ये प्रतिपक्ष की नेता हैं। सम्माननीय प्रतिपक्ष की नेता हैं, अगर मुझे कुछ भी कहते तो... (व्यवधान) मुझे भी कुछ नहीं कहना था। अगर इस तरह से ...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): अध्यक्ष महोदय, इस तरह की +++ नहीं चाहिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सरकार को 15 दिन में गिराने में लगी हुई है... (व्यवधान) सरकार को 15 दिन में चलते करने की धमकी दे रही है।

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): ये +++ बोल रहे हैं अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ये लोकतंत्र में जिस तरह की भाषा और जिस तरह का षड़यंत्र राजस्थान के इतिहास में कभी नहीं हुआ अध्यक्ष महोदय... (व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): इनसे माफी मंगवाई जाये। यह पहली बार हुआ है अध्यक्ष महोदय।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): अध्यक्ष महोदय, इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यह कहती है कि... (व्यवधान)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, इनसे माफी मंगवाई जाये। इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ये कहती हैं कि मैं मिलता रहता हूं। मैं कहां मिलता हूं। डेढ़ साल से तो आपका ही पता नहीं है कि आप कहां थीं? डेढ़ साल पहले मैं जब आपसे मिला था, पूरा सदन गवाह है, जिस भाषा में आपने बात की थी... (व्यवधान) और अब मंत्रियों का सहारा लिया जा रहा है... (व्यवधान) मंत्रियों को भड़काने की कोशिश की जा रही है... (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से एस.एच.ओ. को जिंदा जला दिया गया..

श्री अध्यक्ष: श्री गोपाल मीणा। श्री गोपाल मीणा। श्री गोपाल मीणा। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ...आज प्रतिपक्ष का नेता इतना नीचे स्तर पर गिर जायेगा, यह

मुझे कल्पना नहीं थी माननीय अध्यक्ष महोदय। यह जिस तरह की साजिश की राजनीति है...

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): गृह मंत्रीजी, इस्तीफा दें। गृह मंत्रीजी, इस्तीफा दें। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह सरकार को अस्थिर करने का षड़यंत्र है, यह मेरा खुला आरोप है इनके ऊपर कि इनको किसी न किसी प्रकार से सत्ता चाहिए और सत्ता के लिए, सत्ता के लिए कुछ भी बोल सकती हैं... (व्यवधान) ये कुछ भी बोल सकती हैं माननीय अध्यक्ष महोदय, सत्ता के लिए अपना +++ तैयार हैं, ये +++ तैयार हैं। ये षड़यंत्र करने को तैयार हैं। कुछ भी बोलेंगे... (व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): इनसे माफी मंगवाई जाये, इनसे माफी मंगवाई जाये। (व्यवधान)

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): अधिकारियों को जलाया जा रहा है, सरकार नाम की चीज नहीं है। (व्यवधान) राजस्थान में कानून नाम की चीज नहीं रही। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: श्री गोपाल मीणा।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): राजस्थान की सत्ता को अस्थिर करने का षड़यंत्र है।(व्यवधान) ये कर रही हैं और ये माननीय मंत्रियों का सहारा लेना चाहती हैं। (व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): इनसे माफी मंगवाई जाये। इनसे माफी मंगवाई जाये।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ...हमारे सदस्यों का सहारा ले रही हैं, भड़का रही हैं इनको।

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): अध्यक्ष महोदय, मुझे सबसे पहले जवाब दिलाया जाये। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: श्रीमती अनिता भदेल। श्रीमती अनिता भदेल।

**पुष्कर मेले में अन्तरराष्ट्रीय हाट-बैलून फेस्टिवल हेतु आमंत्रित निविदाओं में फेरबदल**

227. श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) पुष्कर मेला, 2010 के दौरान अन्तरराष्ट्रीय हाट-बैलून फेस्टिवल के लिए सरकार द्वारा कब-कब निविदाएं आमंत्रित की गईं और निविदाएं आमंत्रित करते समय क्या-क्या शर्तें रखी गईं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि निविदाएं आमंत्रित करते समय जो शर्तें रखी गई थीं, उन शर्तों में निविदाएं प्राप्त होने/खोले जाने के पश्चात् कोई फेरबदल की गई थी? यदि हां, तो क्या व किस आधार पर?

(3) क्या यह भी सही है कि पुष्कर मेला-2010 में आयोजित हाट एयर बैलून शो नि:शुल्क था? यदि हां, तो कम्पनी को चार हाट एयर बैलून व्यावसायिक उपयोग हेतु लाने की अनुमति क्यों दी गई?

(4) पुष्कर मेले के दौरान प्रत्येक नि:शुल्क हाट एयर बैलून ने कितनी उड़ानें प्रतिदिन

भरीं एवं कितने मेलार्थियों द्वारा इसका नि:शुल्क उपयोग किया गया?

(5) व्यावसायिक हाट एयर बैलून द्वारा प्रतिदिन कितनी उड़ानें भरी व कितने मेलार्थियों द्वारा सशुल्क उड़ान भी भरी गई और कम्पनी को व्यावसायिक हाट एयर बैलून की उड़ानों से कितनी आय हुई?

(6) पुष्कर मेला-2010 में नि:शुल्क उड़ाने भरने वाले हाट एयर बैलून में उड़ान भरने वाले यात्रियों की प्राथमिकता किस प्रकार तय की गई? (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: पहले माफी मांगें, पहले माफी, पहले माफी। (व्यवधान)

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय राज्य में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कभी जेलर की जेल में हत्या हो जाती है, तो कभी विधायक के पुत्र को मार दिया जाता है।(व्यवधान)

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): पहले माफी मांगे, पहले माफी मांगे।

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): कभी पुलिस थानों के सामने नरमुण्ड काट के फेंक दिये जाते हैं, तो कभी दो साल की बच्ची के साथ कुकर्म कर उसे निर्ममता से मार दिया जाता है। (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: पहले माफी, पहले माफी। (व्यवधान)

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): गृह मंत्रीजी इस्तीफा दें। गृह मंत्रीजी इस्तीफा दें। (व्यवधान)

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): कभी पुलिस थाने में महिला कांस्टेबल के साथ बलात्कार कर उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है, तो कभी थानेदार को जिंदा जला दिया जाता है। कोई न्याय नहीं मिलने की वजह से नौ घंटे तक टंकी पर चढ़कर आत्मदाह की चेतावनी देता है और जब उसे न्याय नहीं लिता तो अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क कर टंकी पर से कूद जाता है और आत्मदाह कर लेता है। (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: पहले माफी मांगे, पहले माफी मांगे। (व्यवधान) माफी मांगो, माफी मांगो।

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): ऐसी घटनाओं को सुनने मात्र से ही दिल कांप उठता है। मानवता को रुला देने वाली ऐसी घटनाएं राजस्थान के लिए कलंक है। घटना की जिम्मेदारी लेना तो दूर, संबंधित महकमे के मंत्री इस पवित्र सदन में कानून और व्यवस्था की बात तक नहीं करने देते। (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगो, माफी मांगो। (व्यवधान)

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): हे राम, ये कैसा लोकतंत्र है? ये कैसी व्यवस्था है? बेफिक्र होकर सो रही सरकार को जागना होगा। सदन के मुखिया कहते हैं कि हर गलती कीमत मांगती है। (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगो, माफी मांगो। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ... कौनसी जनता की लाज रख रही हैं माननीय अध्यक्ष महोदय?

(व्यवधान)

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): इस गलती की भी कीमत उन्हें लेनी होगी। जिम्मेदारी तय करनी होगी। जिम्मेदारी और किसी की हो या न हो, इस सरकार की और इस सरकार में संभाल रहे गृह विभाग के प्रमुख की है। उन्हें मुख्य मंत्री तुरन्त बर्खास्त करें। (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगो, माफी मांगो। (व्यवधान) पहले माफी मांगो। (व्यवधान)

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): अगर इस बार भी जांच कमेटियां बनाकर, निर्देश देकर और समीक्षा करके इस गम्भीर मसले को टालने की कोशिश की गई तो जनता हमें कभी माफ नहीं करेगी। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

**(तदनन्तर सदन की बैठक 11.08 बजे, एक घंटे के लिए स्थगित हुई।)**

**Jkj/akt/12.00/1g/18.03.2011**

**(12.08 बजे)**

पुन: समवेत् होने पर

**(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)**

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, राजस्थान का गृह मंत्री इस्तीफा दे, इस तरह की घटना सवाई माधोपुर में हुई है अध्यक्ष महोदय.....(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): अध्यक्ष महोदय, पहले यह यह बतायें.....(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): राजस्थान की सरकार ....(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): शर्म करो, शर्म करो। (व्यवधान) शर्म करो। शर्म करो। शर्म करो। (व्यवधान) शर्म करो। शर्म करो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: स्थगन प्रस्तावों पर व्यवस्था । (व्यवधान)

स्थगन प्रस्तावों पर व्यवस्था

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है ...(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: नाटकबाजी बंद करो। (व्यवधान) नाटकबाजी बंद करो। नाटकबाजी बंद करो। (व्यवधान)

श्री पेमाराम (धोद): ...इनको बर्खास्त किया जाय। (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: बंद करो। नाटकबाजी बंद करो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: डा. दिगम्बर सिंह, सदस्य की ओर से दारिया मुठभेड़ कांड में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार इंसपेक्टर पर राजनेताओं एवं पुलिस के आला अधिकारियों के नाम लेने का दबाव बनाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए। (व्यवधान)

श्री पेमाराम (धोद): अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से अगवा और... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: उक्त प्रस्ताव पर दिनांक 17 मार्च, 2011 को व्यवस्था दी जा चुकी है। अत: अनुमति देने में असमर्थ हूं। (व्यवधान)

श्री वासुदेव देवनानी, सदस्य की ओर से शिक्षक पात्रता परीक्षा में कामर्स संकाय छात्रों को परीक्षा से वंचित किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए। (व्यवधान)

श्री पेमाराम (धोद): जिस तरह से कानून-व्यवस्था बिगड़ती जा रही है, राजस्थान में कोई खैर-ख्वाह नहीं है...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, सदस्य की ओर से जोधपुर नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

श्री पेमाराम (धोद): राजस्थान की जनता का सुनने वाला कोई नहीं है, ऐसी सूरत में अध्यक्ष महोदय....

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यों को पर्ची के माध्यम से बोलने की अनुमति दी गई है। अत: इन प्रस्तावों पर अनुमति देने में असमर्थ हूं।

**Lpm/akt/1210/1h/18-3-2011**

श्री राजेन्द्र राठौड़, श्री ओम बिरला एवं एक अन्य, श्री गुलाब चन्द कटारिया, सदस्य की ओर से जिला सवाई माधोपुर में मानटाउन थाना प्रभारी को जिंदा जला देने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

डॉ0 फूलचन्द भिण्डा, सदस्य की ओर से राजस्थान के सरकारी कॉलेजों के व्याख्याताओं को यूजीसी की सिफारिशों के अनुरूप अन्यत्र की गई सेवा का लाभ नहीं दिये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा क लिए।

डॉ0 जसवंत सिंह यादव एवं तीन अन्य सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ के गांव गिगलाना में विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहे अवैध खनन से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे नहीं है कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये, अत: अनुमति देने में तो असमर्थ हूं।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): मैं इस पर अपना स्टेटमेंट देना चाहता हूं, यह मानटाउन वाली पर स्टेटमेंट देना चाहता हूं।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, मेरे को ...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, दिनांक 25.2.2001 को राधेश्याम पुत्र बृजमोहन जाति माली निवासी सूरवाल ...(व्यवधान)...

**(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में खड़े होकर हंगामा)**

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...(व्यवधान)... +++ ...(व्यवधान)... +++ ...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...(व्यवधान)... पहने हुए पैरों के कड़े ...(व्यवधान)... थाना सूरवाल में मुकदमा नम्बर 75/11, धारा 460, 302, 394 आईपीसी में कायम की जाकर तफ्तीश प्रारंभ की गई ...(व्यवधान)...

**(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)**

श्री महेन्द्र सिंह वृत्ताधिकारी को जांच सौंपी गई एवं श्री फूल मोहम्मद, पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: 295 को पढ़ा हुआ मान लिया जाए। ...(व्यवधान)...

**(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)**

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): मानटाउन के नेतृत्व में 15 व्यक्तियों के ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करता हूं।

**(तदनन्तर सदन की बैठक 12.11 बजे एक घंटे के लिए स्थगित हुई)**

**Bhs/akt/18.3.11/13.10/1o**

**(13.11 बजे)**

पुन: समवेत् होने पर

**(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)**

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, सवाईमाधोपुर की घटना पर आपने स्थगन प्रस्ताव के द्वारा मुझे बोलने की अनुमति दी है ...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं जो कल घटना घटी है उसके बाबत् ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आज दिनांक 18 मार्च, 2011 को शून्यकाल में बोलने हेतु 16 पर्चियां प्राप्त हुई जिनमें से शलाका द्वारा 4 पर्चियां निकाली गई जो निम्नांकित है ...।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ये गृह मंत्री जी बयान दे रहे हैं, बयान को सुनिये ध्यान से ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास। श्री ओम बिरला। श्री छोटू सिंह भाटी। श्री वासुदेव देवनानी।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...दिनांक 14.3.11 तक मुलजिमान का पता नहीं लगने के कारण श्री राजेश मीणा पुत्र धनसिंह निवासी बाड़ोलास ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): गृह मंत्री जी बयान दे रहे हैं, बयान को ध्यान से सुनिये

...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, पूरे राजस्थान में अराजकता ...(व्यवधान)... है ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सिमति के प्रतिवेदनों का उपस्थापन। श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...(व्यवधान)... के नेतृत्व में लगभग सौ से डेढ़ सौ व्यक्तियों ने सहायक जिला मजिस्ट्रेट सवाईमाधोपुर को एक ज्ञापन पेश किया ...(व्यवधान)...

**(अनेक प्रतिपक्षी माननीय सदस्यों द्‌वारा सदन कूप में प्रवेश)**

(सदन में नारेबाजी)

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...(व्यवधान)... कि तीन दिवस में हत्यारों को तलाशा जाकर उनकी गिरफ्तारी की जाए अन्यथा आम जनता आंदोलन पर उतारू होने पर मजबूर हो जाएगी। दिनांक 15.3.11 को इन्हीं लोगों ने कस्बा सूरवाल के बाजार को बंद रखा जिसका आंशिक असर रहा। इन घटनाओं को देखते हुए दिनांक 15.3.11 को कस्बा सूरवाल में सभी वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की बैठक हुई जिसमें होली तक मुलजिमान को गिरफ्तार करने की समय सीमा पुलिस को देने की पेशकश पर सहमति जताई गई। परंतु श्री राजेश मीणा व इसके साथी श्री बनवारी लाल मीणा पुत्र श्री जगन लाल मीणा, निवासी बड़ौद, थाना खण्डार ने उत्तेजित भाषण देना प्रारंभ कर दिया और तीन दिवस में कार्यवाही नहीं करने पर आंदोलन तेज करने की धमकी दी ...(व्यवधान)... इस बाबत् ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: याचिकाओं का उपस्थापन। श्री पवन दुग्गल। श्री बाबूलाल खराड़ी। श्री हरिसिंह रावत। श्री जगसीराम। श्री रामनारायण मीणा।

...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...(व्यवधान)...दिनांक 17.3.11 को एसीएम, सवाईमाधोपुर के न्यायालय में राजेश मीणा व बनवारी लाल मीणा के विरुद्ध 108 सीआरपीसी में इस्तगासा पेश किया गया जिसकी आगामी तारीख पेशी 22.3.11 निर्धारित है।

(भारतीय जनता पार्टी दल के माननीय सदस्यों द्‌वारा सदन कूप में निरन्तर व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष: अनुपूरक अनुदान की मांगें वर्ष 2010-2011 पर मुखबन्द का प्रयोग किया जाकर मतदान एवं पारण।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): ...(व्यवधान)... दिनांक 17.3.11 को प्रात: 9.00 बजे राजेश मीणा व बनवारी लाल मीणा दोनों सूरवाल गांव में स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गये। इसकी सूचना मिलते ही थानाधिकारी फूल मोहम्मद पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये और...(व्यवधान)... मैं टेबल करता हूं। ...(व्यवधान)...

**मुखबन्द**

## अनुपूरक अनुदान की मांगों का पारण

श्री अध्यक्ष: मुखबन्द का प्रयोग।

### मांग संख्या- 1 राज्य विधान मण्डल

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या 1 – राज्य विधान मण्डल के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 6,09,39,000/-(छह करोड़ नौ लाख उनतालीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

### मांग संख्या- 2 मंत्रि परिषद्

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 2 – मंत्रि परिषद् के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,65,47,000/-(एक करोड़ पैंसठ लाख सैंतालीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

### मांग संख्या- 3 सचिवालय

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 3 – सचिवालय के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,000/-(एक हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

### मांग संख्या- 4 जिला प्रशासन

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 4 – जिला प्रशासन के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 8,91,55,000/-(आठ करोड़ इक्यानवे लाख पचपन हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

### मांग संख्या- 5 प्रशासनिक सेवायें

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 5 – प्रशासनिक सेवायें के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 10,16,69,000/-(दस करोड़ सोलह लाख उनहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 6 न्याय प्रशासन**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 6 – न्याय प्रशासन के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,19,42,07,000/-(एक अरब उन्नीस करोड़ बियालीस लाख सात हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 7 निर्वाचन**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 7 – निर्वाचन के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 11,45,01,000/-(ग्यारह करोड़ पैंतालीस लाख एक हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 8 वन**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 8 – वन के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 67,73,67,000/-(सड़सठ करोड़ तिहत्तर लाख सड़सठ हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 10 विविध सामान्य सेवायें**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 10 – विविध सामान्य सेवायें के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 7,13,21,000/-(सात करोड़ तेरह लाख इक्कीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 11 विविध सामाजिक सेवायें**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 11 – विविध सामाजिक सेवायें के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 13,69,04,000/-(तेरह करोड़ उनहत्तर लाख चार हजार) तक की

राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 12 अन्य कर**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 12 – अन्य कर के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 55,33,50,000/-(पचपन करोड़ तैंतीस लाख पचास हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 13 आबकारी**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 13 – आबकारी के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,83,61,000/-(दो करोड़ तिरासी लाख इकसठ हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**कैलाश/अरुण 18.03.2011 13.20 (1) 1p**

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में निरन्तर व्यवधान)**

**मांग संख्या-14 बिक्री कर**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या-14 बिक्री कर के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,02,39,93,000/- (एक अरब दो करोड उनतालीस लाख तिरानवे हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या-15 पेंशन व अन्य सेवानिवृत्ति लाभ**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -15 पेंशन व अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,52,00,00,000/-(तीन अरब बावन करोड) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या-16 पुलिस**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -16 पुलिस के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 32,33,78,000/-(बत्तीस करोड तैंतीस लाख अठहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 17 कारागार**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -17 कारागार के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 10,18,45,000/-(दस करोड अठारह लाख पैंतालीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): वी वांट डिवीजन, आप डिवीजन का कैसे मना कर सकते हो, मैं सीट से डिवीजन मांग रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, हम सीट पर खडे होकर मत विभाजन की मांग कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मत विभाजन की मांग कर रहे हैं, ना पक्ष जीता हां पक्ष हारा है, सदन में हमारा बहुमत है ...(व्यवधान)... (मुखबन्द के कारण अंकित नहीं किया गया।)

**मांग संख्या-18 जन सम्पर्क**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -18 जन सम्पर्क के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 11,74,30,000/-(ग्यारह करोड चौहत्तर लाख तीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 19 लोक निर्माण कार्य**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -19 लोक निर्माण कार्य के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 68,08,29,000/-(अडसठ करोड आठ लाख उनतीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): (मुखबन्द के कारण अंकित नहीं किया गया।) वी वांट डिवीजन, वी वांट डिवीजन।

**मांग संख्या-21 सड़कें एवं पुल**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -21 सड़कें एवं पुल के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,08,07,22,000/-(दो अरब आठ करोड सात लाख बाईस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या-22 क्षेत्र का विकास**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -22 क्षेत्र का विकास के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 6,07,000/-(छह लाख सात हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या-23 श्रम और रोजगार**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -23 श्रम और रोजगार के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 7,66,30,000/-(सात करोड छियासठ लाख तीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 24 शिक्षा, कला एवं संस्कृति**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -24 शिक्षा, कला एवं संस्कृति के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,78,73,12,000/-(एक अरब उठहत्तर करोड तिहत्तर लाख बारह हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 25 कोषागार**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -25 कोषागार व लेखा प्रशासन के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,14,24,000/-(एक करोड चौदह लाख चौइस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या-26 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य और सफाई**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -26 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य और सफाई के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 17,98,76,000/-(सत्रह करोड अठानवे लाख छिहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या- 27 पेयजल योजना**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या – 27 पेयजल योजना के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,41,23,42,000/-(एक अरब इकतालीस करोड तेईस लाख बियालीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): .... (मुखबन्द के कारण अंकित नहीं किया गया।)........

**मांग संख्या- 28 ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -28 ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 68,94,99,000/-(अडसठ करोड चौरानवें लाख निन्यानवे हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**मांग संख्या -29 नगर आयोजना एवं प्रादेशिक विकास**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -29 नगर आयोजना एवं प्रादेशिक विकास के संबंध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,43,21,27,000/-(तीन अरब तियालीस करोड इक्कीस लाख सत्ताइस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय ?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

**दुर्गा/त्रिपाठी 18032011 1330 1q**

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -30- जनजाति क्षेत्रीय विकास**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -30- जनजाति श्रेत्रीय विकास के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 64,28,27,000/- (चौंसठ करोड़ अट्ठाईस लाख सत्ताइस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -32- नागरिक आपूर्ति**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -32- नागरिक आपूर्ति के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,02,02,01,000/- (तीन अरब दो करोड़ दो लाख एक हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -33- सामाजिक सुरक्षा और कल्याण**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -33- सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,64,63,68,000/- (एक अरब चौंसठ करोड़ तिरेसठ लाख अड़सठ हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -34- प्राकृतिक आपदाओं से राहत**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -34- प्राकृतिक आपदाओं से राहत के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 4,68,76,80,000/- (चार अरब अड़सठ करोड़ छिहत्तर लाख अस्सी हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -35- विविध सामुदायिक एवं आर्थिक सेवायें**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -34- विविध सामुदायिक एवं आर्थिक सेवायें के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 59,000/- (उन्सठ हजार) तक की राशि और प्रदान की

जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -36- सहकारिता**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -36- सहकारिता के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 88,43,28,000/- (अठासी करोड़ तियालीस लाख अट्ठाइस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -37- कृषि**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -37- कृषि के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 5,77,79,31,000/- (पांच अरब सतहत्तर करोड़ नवासी लाख इकतीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -38- लघु सिंचाई एवं भूमि संरक्षण**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -38- लघु सिंचाई एवं भूमि संरक्षण के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,53,29,000/- (दो करोड़ तिरेपन लाख उन्तीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -39- पशुपालन एवं चिकित्सा**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -39- पशुपालन एवं चिकित्सा के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 4,11,50,000/- (चार करोड़ ग्यारह लाख पचास हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -40- राजकीय उपक्रम**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -34- राजकीय उपक्रम के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 15,19,99,000/- (पन्द्रह करोड़ उन्नीस लाख निन्यानवे हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -41- सामुदायिक विकास**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -41- सामुदायिक विकास के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 6,89,35,13,000/- (छह अरब नवासी करोड़ पैंतीस लाख तेरह हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -42- उद्योग**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -42- उद्योग के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 26,65,99,000/- (छब्बीस करोड़ पैंसठ लाख निन्यानवे हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -43- खनिज**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -43- खनिज के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 4,91,91,000/- (चार करोड़ इक्यानवे लाख इक्यानवे हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -44- लेखन सामग्री एवं मुद्रण**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -44- लेखन सामग्री एवं मुद्रण के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 28,77,000/- (अट्ठाइस लाख सतहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -46- सिंचाई**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -46- सिंचाई के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 59,06,73,000/- (उनसठ करोड़ छह लाख तिहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -47- पर्यटन**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -47- पर्यटन के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 12,76,00,000/- (बारह करोड़ छिहत्तर लाख) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -48- विद्युत**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -48- विद्युत के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,86,10,78,000/- (तीन अरब छियासी करोड़ दस लाख अठहत्तर हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -49- स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को मुआवजा और समनुदेशन**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -41- स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को मुआवजा और समनुदेशन के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 8,88,21,000/- (आठ करोड़ अठासी लाख इक्कीस हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**मांग संख्या -50- ग्रामीण रोजगार**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -50- ग्रामीण रोजगार के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,000/- (एक हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

**मांग संख्या -51- अनुसूचित जाति के कल्याण हेतु विशिष्ठ संघटक योजना**

प्रश्न यह है कि अनुपूरक अनुदान की मांग संख्या -51- अनुसूचित जाति के कल्याण हेतु विशिष्ठ संघटक योजना के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 1,20,95,54,000/- (एक अरब बीस करोड़ पचानवे लाख चौवन हजार) तक की राशि और प्रदान की जाय?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई। (व्यवधान)

**(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व शोरगुल)**

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, आप सर्वोच्च आसन पर बैठे हैं। आज सरकार इतनी +++ हो गई है। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आपसे बड़ा +++ कोई नहीं है इस सदन के अन्दर। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): पूरा राजस्थान जल रहा है। राजस्थान में अराजकता है। और ये मंत्रीगण लूट-खसोट में लगे हुए हैं, अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 का पुर:स्थापन। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): और पूरी भ्रष्टाचार में डूबी सरकार। इस सरकार से जनता का विश्वास उठ गया है अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आप +++ सिरमौर हो। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): हम मांग करते हैं वह आत्महत्या करने के लिये क्यों मजबूर हुआ? और किन हालात के अन्दर उस इंस्पेक्टर को जिन्दा जला दिया गया। (व्यवधान)

**VPS-AKT-18.03.2011-13.40-2a**

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

**विधायी कार्य: विधेयक का पुर:स्थापन**

**राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011**

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान करने के लिए प्रस्ताव करता हूं।

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में विचार व्यक्त करने का हमारा अधिकार है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: प्रभारी मंत्री विधेयक को पुर:स्थापित भी करेंगे।...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पुर:स्थापित करता हूं। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए।

**विधेयक पर विचार**

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज पूरा सवाईमाधोपुर बंद है। हजारों लोग सड़कों पर हैं। सवाल पूछने हैं सरकार से ...(व्यवधान)...

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए? ...(व्यवधान)...

**(स्वीकृत)**

विधेयक को विचारार्थ लिया गया। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): उस नौजवान इंस्पेक्टर का क्या कसूर था फूल मोहम्मद का? जिसको जिंदा जला दिया गया है और सत्ता में बैठे ...(व्यवधान)... सवाईमाधोपुर में ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आप जैसे +++ लोगों के लिए यहां कोई जगह नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि ...(व्यवधान)...

प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए।

**विधेयक का पारण**

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए?

**(स्वीकृत)**

राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 को पारित किया गया।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री भरत सिंह। विचारार्थ हेतु।...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज राजस्थान में जो कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ी हैं और एक हमारा अधिकारी जिंदा जला दिया जाए ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: वह आपसे कम उड़ी है। आपने तो कितने लोगों को ...(व्यवधान)...

**विधेयक पर विचार**

**राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011**

श्री भरत सिंह कुन्दनपुर (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए।

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): और उसके बाद भी यह निकम्मी सरकार उस पर किसी प्रकार का रिएक्शन नहीं करे, इतनी बड़ी बात हो नहीं सकती। ...(व्यवधान)... और उसका हाउस में डिस्कशन नहीं हो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: विधेयक को जनमत जानने हेतु परिचालित करने का संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे:-

श्री ओम बिरला। श्री ओम बिरला। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

श्री मोहनलाल गुप्ता। श्री मोहनलाल गुप्ता। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़। श्री राजेन्द्र राठौड़। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

श्री नन्दलाल मीणा। श्री नन्दलाल मीणा। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

श्री बंशीधर खण्डेला। श्री बंशीधर खण्डेला। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह। डा. दिगम्बर सिंह। (बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।) ...(व्यवधान)...

(विधेयक को जनमत जानने हेतु परिचालित करने का कोई संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया।)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...(व्यवधान)... इतनी बड़ी बात पर भी हाउस में डिस्कशन नहीं हो। सारा का सारा राजस्थान में एक तरह से अराजकता का राज हो गया हो और गृह मंत्री अपनी नाकाबिलयत पर बचने के लिए इस तरह से ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: 72 गुर्जरों को मार दिया +++ । ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...(व्यवधान)... अव्यवस्था फैला कर और सारे के सारे कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ...(व्यवधान)... जिस अभिमान में यह है न, आज जिस पद पर +++, इस अभिमान के कारण से राजस्थान की साढ़े छह करोड़ जनता का +++ और जो कितने प्रकार का ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को विचारार्थ लिया गया। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...(व्यवधान)... आज न तो पुलिस सुरक्षित है। आये दिन पुलिस पर हमले हो रहे हैं। पुलिस को जिंदा जलाया जा रहा है। पुलिस को पीटा जा रहा है। पुलिस जो है न क्योंकि आज जलाई जा रही है। ...(व्यवधान)... और +++ और आज राजस्थान का एक अच्छा अधिकारी आग के हवाले कर दिया गया है लेकिन उसके बाद भी +++ ...(व्यवधान)...

खण्डश: विचार

श्री अध्यक्ष: खण्डश: विचार।

खण्ड-2

खण्ड-2- कोई संशोधन नहीं।

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 स्वीकार किया जाए?

(स्वीकृत)

खण्ड-2 स्वीकार किया गया। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...(व्यवधान)... किसी भी प्रकार से राजस्थान की जनता को, कानून व्यवस्था के बारे में अपनी तरफ से आश्वस्त नहीं कर सकता। एक तरह से जनता मर रही है। आज वह राजेश है न ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज पर मेरा संशोधन है। मेरा संशोधन है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा संशोधन है पंचायती राज पर। मेरा अधिकार है मांगने का ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): वह आपके आफिसर, आपकी गलती के कारण से, जान गई। ...(व्यवधान)... 25 अक्टूबर के दिन ...(व्यवधान)... 25 अक्टूबर के दिन जिस महिला की हत्या की गई थी उसके कारण से जो अपराधी नहीं पकड़ कर ...(व्यवधान)... अपराधी नमजद थे। नामजद अपराधियों को नहीं पकड़ा ...(व्यवधान)...

खण्ड-1

श्री अध्यक्ष: खण्ड-1- अधिनियमन सूत्र, नाम आदि- कोई संशोधन नहीं।

प्रश्न यह है कि खण्ड-1- अधिनियमन सूत्र, नाम आदि स्वीकार किए जाए?

(स्वीकृत)

खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि स्वीकार किए गए। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने संशोधन दिए हैं। ...(व्यवधान)...विधायक हैं। हमारे बोलने का अधिकार है। माननीय अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज पर हमारा ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): इसके कारण से जनता में आक्रोश था। जनता ने जाकर 15 तारीख को, फिर एक ...(व्यवधान)... कलक्टर को और एस.पी. को ज्ञापन देकर अपने ...(व्यवधान)... को बताया। यह अपराधी पता है पुलिस को लेकिन अपराधी को बचा रहे हैं आप ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्री भरत सिंह, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): और उसके कारण से पूर्व घोषणा के अनुसार राजेश उस टंकी पर चढ़ा और सवेरे नौ बजे से लेकर शाम को पाँच बजे तक वह उस पर टंकी पर रहने के बाद भी ...(व्यवधान)... उसको न तो प्रशासन ने उतारने का प्रयास किया और न ही ...(व्यवधान)... इसके कारण से ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आई एम ऑन ए पाइंट आफ आर्डर ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, पाइंट आफ आर्डर ...(व्यवधान)...

**विधेयक का पारण**

श्री भरत सिंह कुन्दनपुर (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): व्यवस्था का सवाल है माननीय अध्यक्ष महोदय। माननीय अध्यक्ष महोदय, पाइंट आफ आर्डर। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाए?

**(स्वीकृत)**

राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया गया।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): जिस विधेयक को आप पारित करवा रहे हैं इस पर बोलने का हमें अधिकार है। ...(व्यवधान)...

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

आय-व्ययक अनुमान वर्ष, 2011-12

द्वितीय अवस्था

अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान

श्री अध्यक्ष: आय व्ययक अनुमान वर्ष, 2011-12, द्वितीय अवस्था, अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान। श्री भरत सिंहजी। ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): आपको चिंता नहीं है। कानून व्यवस्था की चिंता नहीं है। आपको जवाब देना चाहिए। हमको जवाब देने के लिए आप तैयार नहीं हो।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

...(व्यवधान)... जिसके कारण राजस्थान जिस हालात में जाकर पहुंचा है। कानून व्यवस्था की ऐसी धज्जियां बनाकर, उड़ाकर आप ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

यह हमारा दुर्भाग्य है राजस्थान का। एक ऐसा सी.एम. जो अपने आपको गांधी कहलाता है। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्री भरत सिंह, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनुदान की मांग संख्या- 28, 41 एवं 50 विचार एवं मतदान हेतु प्रस्तुत करेंगे।

**अनुदान की मांग**

**मांग संख्या-28- ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम की प्रस्तुति**

श्री भरत सिंह कुन्दनपुर (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-28- ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,13,16,66,000/- (दो अरब तेरह करोड़ सोलह लाख छियासठ हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

**मांग संख्या-41-सामुदायिक विकास की प्रस्तुति**

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-41- सामुदायिक विकास के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 24,00,14,87,000/- (चौबीस अरब चौदह लाख सतासी हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

**मांग संख्या-50-ग्रामीण रोजगार की प्रस्तुति**

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-50- ग्रामीण रोजगार के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,77,01,47,000/- (दो अरब सतहत्तर करोड़ एक लाख सैंतालीस हजार) तक की राशि प्रदान की जाए। ...(व्यवधान)...

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): आज उस गांधी से पूछो कि आप ...(व्यवधान)... क्या हो गया आपको? सांप सूँघ गया क्या? ...(व्यवधान)...

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय अध्यक्ष महोदय, सवाईमाधोपुर की जनता सड़क पर उतर आई है। लोग आक्रोशित है सत्तारूढ़ मंत्री से। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान की जो हालत है, ऐसी हालत में राजस्थान का मुख्य मंत्री सदन में आकर नहीं बैठा है। आज यहां तीन दिन से जिस प्रकार से सदन की धज्जियां उड़ रही हैं, यह राजस्थान के मुख्य मंत्री, सदन का नेता का यह दायित्व नहीं बनता है? ...(व्यवधान)... क्या मजाक कर रहे हो? तमाशा बना रहे हो। ...(व्यवधान)... राजस्थान का गृह मंत्री हँसते हुए मजाक करता है। इस राजस्थान की कानून व्यवस्था की जिस प्रकार की हालत बना कर रखी है, इसे एक क्षण भी यहां रहने का अधिकार नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): (व्यवधान)... डिमांड पास करवा रहे हो?

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): +++ ...(व्यवधान)... याद रखना गुलाब चन्द कटारिया कह रहा है, ढाई साल बाद +++ इस विधान सभा का मुंह नहीं देख सकेगा। इसे याद रख लेना। +++ हमको कमजोर समझता है। जो जब तक हिफाजत नहीं कर सकता, जो जनता के लिए ईमानदारी से अपना वक्तव्य नहीं दे सकता, जो राजस्थान की पुलिस का मोरल नहीं उठा सकता, जो राजस्थान की पुलिस पर होने वाले ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: पारित करने के लिए कहें।

श्री भरत सिंह कुन्दनपुर (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-28-ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम, मांग संख्या-41- सामुदायिक विकास एवं मांग संख्या-50-ग्रामीण रोजगार को पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-28- ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): डिवीजन। माननीय अध्यक्ष महोदय, डिवीजन। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-28- ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त ...(व्यवधान)...

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): डिवीजन-डिवीजन।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): डिवीजन।

**मांग संख्या 28 का पारण**

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-28- ग्रामीण विकास के विशेष कार्यक्रम के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,13,16,66,000/- (दो अरब तेरह करोड़ सोलह लाख छियासठ हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

**(स्वीकृत)**

मांग स्वीकार की गई। ...(व्यवधान)...

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): वी वांट डिवीजन। वी वांट डिवीजन ...(व्यवधान)...

**मांग संख्या 41 का पारण**

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-41- सामुदायिक विकास के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 24,00,14,87,000/- (चौबीस अरब चौदह लाख सतासी हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

**(स्वीकृत)**

मांग स्वीकार की गई। ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): डिवीजन। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): डिवीजन। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-50- ग्रामीण रोजगार के संबंध में ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): क्या कर रहे हो माननीय अध्यक्ष महोदय? वी वांट डिवीजन। ...(व्यवधान)...

**मांग संख्या 50 का पारण**

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-50- ग्रामीण रोजगार के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किए जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 2,77,01,47,000/- (दो अरब सतहत्तर करोड़ एक लाख सैंतालीस हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

**(स्वीकृत)**

मांग स्वीकार की गई। ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): वी वांट डिवीजन। माननीय अध्यक्ष महोदय, डिवीजन का हमारा अधिकार है।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): वी वांट डिवीजन। ...(व्यवधान)...

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): डिवीजन। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): ...(व्यवधान)... वी वांट डिवीजन ...(व्यवधान)... हमारा वैधानिक अधिकार है डिवीजन मांगने का ...(व्यवधान)...

**(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व भारी व्यवधान)**

श्री अध्यक्ष: सदन की बैठक मंगलवार, दिनांक 22 मार्च, 2011 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

**(तदनन्तर सदन की बैठक 13.47 बजे मंगलवार, दिनांक 22 मार्च, 2011 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)**